न्यायालयः प्रथम अपर जिला जज, बागपत।

पीठासीन अधिकारी- श्रीमती मीनू शर्मा , (उच्चतर न्यायिक सेवा)

J.O.Code UP 5951

UPBG010005122013

Restoration Misc/200007/2013
JAYBHAGWAN Vs. INDIAN OIL

दिनांक 19-03-2025

पत्रावली पेश हुई।

प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता उपस्थित हैं।

प्रार्थी जयभगवान को प्रार्थनापत्र 07/2013 दिनांकित 07-10-2013 पर सुना।

उक्त प्रार्थनापत्र प्रार्थी द्वारा इस आशय का दिया गया है कि एल०ए०आर० नम्बर 02/2002 न्यायालय द्वारा वाद बिन्दु संख्या 03 को निस्तारित करते हुये दिनांक 29-04-2004 को प्रार्थनापत्र ग 3 काल बाधित होने के कारण निरस्त किया गया था। वादी ने उक्त आदेश के विरूद्ध माननीय उच्च न्यायालय में रिट संख्या 30074/2004 दायर किया था जिसमें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा वाद में सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुये गुण-दोष के आधार पर निर्णीत किये जाने हेतु आदेशित किया गया। अतः गुण-दोष के आधार पर निर्णीत किये जाने की प्रार्थना की गयी।

प्रार्थनापत्र के साथ माननीय उच्च न्यायालय के आदेश दिनांकित 12-03-2013 की प्रतिलिपि मय शपथपत्र दाखिल की गयी है। चूँकि वादी ने स्वयं प्रस्तुत वाद को एल०ए०आर० वाद होना कहा है जिसके सम्बन्ध में सुनवाई का क्षेत्राधिकार भूमि अर्जन, पुनर्वासन व पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण को प्राप्त है। अतः प्रस्तुत पत्रावली पर कोई भी आदेश सम्बन्धित माननीय पीठासीन अधिकारी भूमि अर्जन, पुनर्वासन व पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण द्वारा ही पारित किया जा सकता है। अतः पत्रावली अग्रिम आदेश हेतु भूमि अर्जन, पुनर्वासन व पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण को नियमानुसार प्रेषित की जाए।

प्रथम अपर जिला जज,
बागपत।

Digitally signed by MEENU SHARMA
Date: 2025.03.20 10:56:52 IST
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court